वर्ष :-1

अंक:-288

29.11.2025

शनिवार

अपना शहर अपना खबर

अपना नालन्दा

पेज 1 नालंदा का नंबर वन डिजिटल अखबार www.apnanalanda.com

बिहारशरीफ में अतिक्रमण पर कड़ा एक्शन, गलियों तक बुलडोजर अभियान तेज

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहार में नई सरकार के गठन के बाद अतिक्रमणकारियों पर प्रशासन की सख्ती लगातार बढ़ती जा रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में भी नगर निगम ने शहर को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए बुलडोजर एक्शन तेज कर दिया है।

नगर निगम द्वारा यह विशेष अभियान 25 नवंबर से हॉस्पिटल मोड़ से शुरू किया गया था, जो रांची रोड होते हुए भरावपर तक चलाया गया। इसके बाद हॉस्पिटल मोड़ से इतवारी बाजार तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। निगम केवल मुख्य सड़कों को ही नहीं, बल्कि संकरी गलियों को भी अतिक्रमण मुक्त कराने में जुट गया है, ताकि शहर में सुचारू आवाजाही सुनिश्चित हो सके।इसी क्रम में शुक्रवार को वार्ड संख्या 35 स्थित पंडित गली में अभियान चलाया गया। पुलिस बल की सुरक्षा व्यवस्था के बीच नगर निगम केपदाधिकारियों ने टीम के साथ पहुंचकर वर्षों से संकरी हो चुकी गलियों को अतिक्रमण मुक्त किया। कई स्थानों पर बने स्थायी निर्माण को बुलडोजर और सफाई कर्मियों की मदद से हटाया गया। इस कार्रवाई से अवैध निर्माण करने वालों में हड़कंप की स्थिति बनी रही।अभियान का नेतृत्व उप नगर आयुक्त शम्स रजा, लोक स्वच्छता पदाधिकारी विनय कुमार तथा नगर प्रबंधक त्रिपुरारी शरण संजय कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि शहर को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त किए जाने तक यह अभियान लगातार जारी रहेगा।यह कार्रवाई नगर निगम की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और जाम मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

10 लाख महिलाओं को 1000 करोड़ का हस्तांतरण, बिहार में बड़ा कार्यक्रम

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कर-कमलों द्वारा शुक्रवार को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10 लाख महिला लाभुकों को प्रति लाभुक ₹10,000 की दर से कुल ₹1000 करोड़ की राशि का डिजिटल अंतरण किया गया। इस राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बिहारशरीफ स्थित हरदेव भवन सभागार में किया गया, जिसमें जिले के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी व बड़ी संख्या में जीविका दीदीयां शामिल हुईं।

महिला रोजगार योजना का उद्देश्य राज्य के प्रत्येक परिवार की एक महिला को आत्मनिर्भर बनाना है। इस योजना के तहत प्रारंभिक पूंजी के रूप में ₹10 हजार की सहायता दी जाती है, जिससे महिलाएं अपनी पसंद का छोटा रोजगार शुरू कर सकें। आगे आवश्यकता और प्रदर्शन के आधार पर ₹2 लाख तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान करने का भी प्रावधान है। महिलाओं को प्रशिक्षित करने के लिए सरकार द्वारा विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई है।

यह योजना सामुदायिक सहकारिता मॉडल पर आधारित है, जिसके तहत हर लाभुक को पहले स्थानीय स्वयं सहायता समूह (SHG) से जोड़ा जाता है। रोजगार के चयन, प्रशिक्षण, उत्पादन तथा विपणन में समूहों द्वारा सहयोग सुनिश्चित किया जाता है। सरकार गांव से शहरों तक हाट-बाजार विकसित कर रही है, ताकि महिलाओं के उत्पादों को उचित बाजार उपलब्ध हो सके।नालंदा जिले में आज कुल 5483 महिलाओं के खाते में ₹54,83,0000 की राशि भेजी गई।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी कुंदन कुमार, उप विकास आयुक्त श्रीकांत कुंडलिक खांडेकर, सांसद कौशलेंद्र कुमार, विधायक डॉ. जितेंद्र कुमार, विधायक रुहेल रंजन सहित अन्य अधिकारी एवं जीविका समूह की दीदीयां उपस्थित रहीं।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालय में संस्कार जीविका रसोई का शुभारंभ

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। महानंदपुर कोरई स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालय में शुक्रवार को संस्कार जीविका दीदी की रसोई का औपचारिक शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी कुंदन कुमार, नगर आयुक्त दीपक मिश्रा तथा उप विकास आयुक्त श्रीकांत कुंडलिक खांडेकर ने संयुक्त रूप से फीता काटकर रसोई का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने आवासीय विद्यालय में रह रहे बच्चों से संवाद किया और उन्हें अनुशासन एवं निष्ठा के साथ अध्ययन करने की प्रेरणा दी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि विद्यालय परिसर में स्टेशनरी की दुकान भी उपलब्ध कराई जाए, ताकि बच्चों को आवश्यक सामग्री के लिए बाहर न जाना पड़े और उनकी सुरक्षा तथा सुविधा सुनिश्चित हो सके।

विद्यालय में वर्तमान में कुल 195 बच्चे आवासित हैं। इनके लिए संस्कार जीविका दीदी की आधुनिक रसोई व्यवस्था चार टाइम के मेन्यू के अनुसार संचालित होगी। रसोई संचालन में कुल 12 कुक दीदी, 2 सुपरवाइजर तथा 8 सफाई कर्मी दीदी दो शिफ्टों में अपनी जिम्मेदारी निभाएंगी। प्रशासन के अनुसार इससे बच्चों को स्वच्छ, पौष्टिक और समय पर भोजन उपलब्ध कराया

होगा।

कार्यक्रम में जीविका परियोजना प्रबंधक, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जीविका जिला कार्यालय के Mgr HR, Mgr LH, Mgr Non Farm, BPM बिहारशरीफ, AC राहुल, AC गौरव, LHS रजनीश, OA अवध सहित संस्कार एवं शक्ति CLF की BOD दीदी, लीडर दीदी, MBK एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने रसोई संचालन को सराहा और इसे बच्चों के पोषण व देखभाल की दिशा में महत्वपूर्ण कदम ब ताया।

कविराज राम लखन सिंह की पुण्यतिथि पर सीएम नीतीश का आगमन आज

हरनौत (अपना नालंदा)। कल्याण बिगहा स्थित कविराज स्व. राम लखन सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित कई वरिष्ठ नेता एवं गणमान्य व्यक्तियों के शामिल होने की संभावना है। मुख्यमंत्री अपने पिता कविराज राम लखन प्रसाद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देंगे।

कार्यक्रम को लेकर कविराज राम लखन सिंह वाटिका को विशेष रूप से साफ-सुथरा किया गया है तथा पूरे परिसर को आकर्षक तरीके से सजाया गया है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि कविराज राम लखन प्रसाद एक प्रसिद्ध वैद्य एवं स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने बख्तियारपुर में रहकर लोगों की निःस्वार्थ सेवा की और अपना पूरा जीवन जनकल्याण में समर्पित कर दिया था।

मुख्यमंत्री के संभावित आगमन को देखते हुए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। बीडीओ डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि पूरे कार्यक्रम

स्थल और आसपास की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है। सीएम की विशेष सुरक्षा टीम, जिलाधिकारी कुंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक भारत सोनी, डीएसपी-2 संजय कुमार जायसवाल सहित अन्य अधिकारियों ने स्थल निरीक्षण कर सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया है। प्रशासन द्वारा भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा के मद्देनजर सभी आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।

पुण्यतिथि समारोह के लिए स्थानीय लोगों में भी खासा उत्साह है और वे बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं।

SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED RERA APPROVED
"BOOKINGS ARE NOW OPEN !"
BOOK 3BHK PREMIUM FLAT
Project Registration Number
BRERAP19200101102525O432E00
₹ 4251/*SQ.FT.
60% Free Area
COMFORT, LUXURY WELLNESS
Amenities
Swimming Pool
Vastu Compliant Design
Kids' Play Area
Volleyball / Badminton Court
Cricket net pitch
Landscape & Roof Top Garden
Temple in Premises
Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
100% Power Backup
Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
EV Reserved Car Parking
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004, 7280027960
60018 06049, 96615 74892
Contact us today to book your site visit!

महिला रोजगार योजना से 1.56 करोड़ लाभार्थी, जदयू ने नीतीश सरकार की उपलब्धि गिनाई

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। जद (यू) के प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम, परिमल कुमार और मीडिया पैनलिस्ट डॉ. मधुरेंदु पांडे ने शुक्रवार को जारी संयुक्त बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी कड़ी में आज मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत राज्य की 10 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपये की सहायता राशि सीधे हस्तांतरित की गई है। यह पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

जद (यू) नेताओं ने बताया कि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार किसी भी उद्यमी महिला का साथ बीच में नहीं छोड़ेगी। जो महिलाएं अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाना चाहती हैं, उन्हें 2 लाख रुपये तक की अतिरिक्त आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। सरकार का लक्ष्य है कि महिलाएं न केवल रोजगार शुरू करें, बल्कि सफल उद्यमस्थापित कर आर्थिक रूप से मजबूत बनें। अब तक कुल 1 करोड़ 56 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल चुका है। पहले चरण में 1 करोड़ 46 लाख लाभार्थी शामिल थीं, जबकि आज की किस्त से 10 लाख नई महिलाओं को सहायता राशि प्राप्त हुई। जद (यू) ने कहा कि यह आंकड़े दर्शाते हैं कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में महिला उद्यमिता का मजबूत आधार तैयार हो रहा है।

नेताओं ने बिहार की जनता और विशेषकर महिलाओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि विधानसभा चुनाव में मिले जनसमर्थन ने सरकार को बड़े पैमाने पर रोजगार और आर्थिक सहायता कार्यक्रम चलाने की प्रेरणा दी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 से 2030 के कार्यकाल में महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार सरकार की शीर्ष प्राथमिकता बनी रहेगी।

लोजपा स्थापना दिवस पर पशुपति पारस ने दलित सेना की ताकत बताई

सुजीत कुमार

पटना(अपना नालंदा)। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी का 25वां स्थापना दिवस शनिवार को पार्टी कार्यालय, विधायक कॉलोनी, कौटिल्य नगर, पटना में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष प्रिंस राज पासवान ने की, जबकि संचालन दलित सेना के प्रदेश अध्यक्ष धनश्याम कुमार दाहा ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस द्वारा पद्मभूषण स्व. रामविलास पासवान की चित्र पर माल्यार्पण कर की गई।

अपने संबोधन में पशुपति पारस ने कहा कि पार्टी और दलित सेना बिहार में दलितों का सबसे मजबूत संगठन है। उन्होंने कहा कि आज भले ही रामविलास पासवान और रामचंद्र पासवान हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी विचारधारा और सिद्धांतों को आगे बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी है। पारस ने बताया कि वर्ष 2000 में दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई पार्टी की स्थापना के समय से लेकर अपने राजनीतिक जीवन के 50 वर्षों तक उन्होंने रामविलास पासवान के साथ रहकर पार्टी और संगठन को मजबूत किया है।

पारस ने कहा कि चुनाव में जीत-हार होती रहती है, लेकिन जनता के सुख-दुख में उनके साथ खड़ा रहना सबसे बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि पार्टी सदैव दलित, पिछड़े, गरीब, कमजोर और असहाय लोगों की सहायता के लिए तत्पर रहेगी।

कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष प्रिंस राज पासवान ने कहा कि रामविलास पासवान का सरल और सहज स्वभाव हम सभी के लिए प्रेरणा है। वहीं यशराज पासवान ने कहा कि पशुपति पारस, रामविलास और रामचंद्र पासवान की एकजुटता पूरे देश में मिसाल रही है।

स्थापना दिवस कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विरेश्वर सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रवण कुमार अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महताब आलम, राष्ट्रीय महासचिव अंबिका प्रसाद बीनू सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एनडीए सरकार में क्रेडिट की होड़ से जनता प्रभावित हो रही: एजाज अहमद

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने शुक्रवार को कहा कि नई एनडीए सरकार बनने के बाद राज्य में भारतीय जनता पार्टी और जनता दल (यू) के बीच राजनीतिक शह-मात का खेल जारी है। उनके अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बीच सरकार के कार्यों का क्रेडिट लेने की होड़ मची हुई है, जबकि जनता से जुड़े मुद्दे उपेक्षित होते जा रहे हैं।

एजाज अहमद ने आरोप लगाया कि जदयू की ओर से नौकरी, रोजगार और विकास के नाम पर केवल घोषणाएं की जा रही हैं, वहीं भाजपा अपराध नियंत्रण को लेकर 400 अपराधियों और माफियाओं की सूची जारी करने की बात कह रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह कदम नीतीश कुमार के मंत्री आपसी प्रतिस्पर्धा, जुमलेबाजी और क्रेडिट सुशासन मॉडल पर ही सवाल खड़ा करता है, क्योंकि पिछले 20 वर्षों से वे ही बिहार के गृह मंत्री के रूप में कार्य कर रहे थे।

राजद प्रवक्ता ने कहा कि नई सरकार में लेने की राजनीति में अधिक रुचि ले रहे हैं। इससे आम जनता के हित प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री द्वारा होने वाले निरीक्षण में भाजपा कोटे के मंत्रियों को सूचित नहीं किया जाता और उनके साथ वही अधिकारी रहते हैं जो पहले से उनके विश्वस्त हैं।

एजाज अहमद के अनुसार वर्तमान सरकार के पास जनता के लिए कोई स्पष्ट विजन और मिशन नहीं दिख रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के स्तर पर हो रही इस खींचतान से लोगों की समस्याओं का समाधान रुक गया है और विकास कार्य ठप पड़े हैं।

कुम्हरार कार्यकर्ता सम्मान समारोह में नेताओं ने विकास और सुशासन का संकल्प दोहराया

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। कुम्हरार विधानसभा क्षेत्र में रविवार को 'आभार कुम्हरार कार्यकर्ता सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में कार्यकर्ताओं और स्थानीय मतदाताओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल, उप मुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय सहित कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद थे। सभी अतिथियों का अंगवस्त्र देकर सम्मान किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कुम्हरार तथा समूचे बिहार के मतदाताओं का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया है, जिसका परिणाम बेहतर विकास के रूप में सामने आएगा। उन्होंने कहा कि बिहार में विकास की गति तेज हो चुकी है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने नव-निर्वाचित विधायक संजय गुप्ता की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में कुम्हरार प्रदेश की अग्रणी विधानसभा बनेगा।वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का लक्ष्य बिहार में सुशासन को और मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि कुम्हरार का गौरवशाली इतिहास देश के स्वर्णिम अध्यायों से जुड़ा है और सरकार इसके ऐतिहासिक महत्व को फिर से स्थापित करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी।

समारोह में संगठन महामंत्री भिखू भाई दालसानिया, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, दीघा विधायक संजीव चौरसिया, कुम्हरार विधायक संजय गुप्ता समेत कई गणमान्य नेता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन बैद्यनाथ रमन ने किया

थरथरी में बाल विवाह मुक्त भारत मिशन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

थरथरी (अपना नालंदा)। थरथरी प्रखंड के हाई स्कूल भतहर में शुक्रवार को 'बाल विवाह मुक्त भारत मिशन' के तहत एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पिरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधि ईश्वर पाल ने छात्रों को बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई और इसके शैक्षणिक, स्वास्थ्य एवं सामाजिक दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कम उम्र में विवाह न केवल लड़कियों की शिक्षा छीन लेता है, बल्कि उनके शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव डालता है।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें बाल विवाह के कारण लड़कियों के भविष्य पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को सजीव रूप से दर्शाया गया। नाटक के माध्यम से उपस्थित शिक्षकों, छात्रों एवं ग्रामीणों को बाल विवाह को सामाजिक कुप्रथा मानते हुए इसके उन्मूलन के लिए आगे आने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रेखा कुमारी तथा शिक्षिकाओं—कविता कुमारी, निशा भारती, स्नेहा भारती, चंचल कुमारी, सीमा कुमारी और स्वेता कुमारी ओझा—का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पिरामल फाउंडेशन की टीम ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं की शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देना तथा समुदाय में बाल विवाह रोकथाम के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी विकसित करना था। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि समाज में बाल विवाह के खिलाफ एक मजबूत संदेश स्थापित हो सके।

क्या काम के दबाव में बीएलओ की मौतें हो रही हैं

राजेश कुमार पासी

देश के 12 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में 4 नवंबर से मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) की प्रक्रिया चल रही है । विपक्षी दलों की कई सरकारों ने इस प्रक्रिया के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दाखिल की हैं और माननीय अदालत द्वारा उन पर सुनवाई जारी है । बिहार में चुनाव आयोग इस प्रक्रिया को पूरी कर चुका है और उसका भी विपक्षी दलों ने जबरदस्त विरोध किया था । बिहार में जब एसआईआर की प्रक्रिया चल रही थी तो कई दल इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए थे लेकिन माननीय अदालत ने इस प्रक्रिया पर रोक लगाने से इंकार कर दिया । जब इस प्रक्रिया का दूसरा चरण शुरु किया गया तो विपक्षी दल एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं । बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तो इसके खिलाफ एक मार्च भी निकाल चुकी हैं ।

वैसे देखा जाए तो चुनाव आयोग कोई नया काम नहीं कर रहा है बल्कि भारत में ये प्रक्रिया पहले भी 11 बार की जा चुकी है । हैरानी की बात यह है कि पहले इस प्रक्रिया के बारे में किसी को पता भी नहीं चला क्योंकि इसका बिल्कुल भी विरोध नहीं हुआ था । देखा जाए तो यह चुनाव आयोग का संवैधानिक कर्तव्य है जिसे वो पूरा कर रहा है । इसके लिए संविधान द्वारा ही उसे अधिकार दिए गए हैं जिनके अनुसार वो काम कर रहा है, यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट भी इसमें दखल नहीं दे पा रहा है । अजीब बात है कि जो विपक्ष संविधान की प्रति सिर पर उठाकर पूरे देश में घूमता रहता है, वो एक संवैधानिक काम को रोकने की पूरी कोशिश कर रहा है ।

इस प्रक्रिया द्वारा मतदाता सूची को अपडेट किया जाना है । इसमें 18 साल से ज्यादा उम्र के नए मतदाताओं को जोड़ा जाएगा । जिन लोगों की मौत हो चुकी है या वो लोग जो स्थायी रूप से अपना घर छोड़ चुके हैं, उनका नाम इस प्रक्रिया द्वारा हटाना जाना है । इसके अलावा मतदाता सूची में नाम और पते में हुई गलतियों को ठीक किया जाना है । चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर कराने का उद्देश्य यह है कि कोई भी योग्य मतदाता सूची में न छूटे और कोई भी अयोग्य मतदाता सूची में शामिल न हो । इस काम के लिए चुनाव आयोग ने सभी राज्यों में बीएलओ की नियुक्तिकी है । सभी बीएलओ सरकारी कर्मचारी हैं, जिन्हें एक निश्चित समय के लिए चुनाव आयोग द्वारा दिए गए काम को पूरा करना है । इसके लिए इन्हें घर-घर जाकर फार्म देना है और फिर उसे लेकर मतदाता सूची में अपडेट करना है ।

चुनाव आयोग के पास चुनावी कार्य के लिए कर्मचारी नहीं होते हैं. वो यह काम राज्य और केंद्र सरकार के कर्मचारियों से करवाता है । इसके लिए संविधान में उसको अधिकार दिए गए हैं जिसके द्वारा वो इन कर्मचारियों को निश्चित समय के लिए उपयोग करता है । चुनावी कार्य अनिवार्य सेवा है जिसको करने से कर्मचारी इंकार नहीं कर सकता । एक निश्चित अवधि तक कर्मचारी चुनाव आयोग के अधीन होता है और उसे दिया गया कार्य पूर्ण करना होता है । बहुत जरूरी होने पर ही कर्मचारी को चुनावी कार्य से छूट मिल सकती है । मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 22 दिन में 7 राज्यों में 25 बीएलओ एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान मर चुके हैं । सबसे ज्यादा 9 मौतें मध्यप्रदेश में हुई हैं जबकि तमिलनाडु और केरल में एक-एक बीएलओ मारे गए हैं । इसके अलावा बंगाल में 3 मौतों की खबर है जबकि वहां ही बीएलओ की मौत बड़ा मुद्दा बनी हुई है । पश्चिम बंगाल के मंत्री अरूप बिश्वास ने कहा है कि एसआईआर के चलते राज्य में 34 लोगों ने जान दे दी है । इन मौतों का चुनाव आयोग ने भी संज्ञान लिया है और सभी राज्यों से रिपोर्ट मांगी गई है । विपक्ष आरोप लगा रहा है कि बीएलओ काम के दबाव में अपनी जान दे रहे हैं । मानसिक तनाव के कारण कई बीएलओ के हार्टफेल से मरने की भी खबर है । चुनाव आयोग का कहना है कि फार्म बांटने का 99 प्रतिशत काम पूरा हो गया है और 70 प्रतिशत फार्म जमा भी हो गए हैं । कई राज्यों में तो 80-90 प्रतिशत फार्म अपलोड कर दिये गये हैं ।

उत्तरप्रदेश और केरल में फार्म अपलोड करने का काम धीमी गति से चल रहा है और लगभग आधे फार्म ही अपलोड किए गए हैं । देखा जाए तो बीएलओ ने अपने हिस्से का काफी काम पूरा कर दिया है। यह इसलिए संभव हुआ है क्योंकि बीएलओ ने अपना काम जिम्मेदारी से किया है। हमारे देश की राजनीतिक व्यवस्था में चुनाव की बड़ी अहमियत है क्योंकि लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार चुनाव ही होते हैं। चुनाव का लगभग सारा काम सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों द्वारा किया जाता है। एसआईआर का काम भी चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा है जो 5-10 साल में एक बार किया जाता है। इस बार यह काम 22 साल बाद हो रहा है, इसलिए काम का कुछ दबाव हो सकता है। सवाल यह है कि क्या बीएलओ काम के इतने दबाव में हैं कि वो आत्महत्या तक करने के लिए मजबूर हो रहे हैं। क्या एसआईआर करना इतना मुश्किल है कि सरकारी कर्मचारी इस काम को करनेमें मुश्किल महसूस कर रहे हैं। कुछ बीएलओ की मौत से यह सवाल खड़ा हुआ है और विपक्षी दलों ने भी इसे मुद्दा बना दिया है। उनका कहना है कि सरकार का बीएलओ पर इतना दबाव है कि वो मानसिक तनाव के कारण आत्महत्या तक करने के लिए मजबूर हो रहे हैं।

मैंने 27 साल सरकारी नौकरी की है और अपनी सेवा के दौरान मैंने तीन बार चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लिया है। इसके अलावा 2011 की जनगणना में भी भाग लिया है। इन कामों के लिए सरकारी कर्मचारियों का ही इस्तेमाल किया जाता है और ये काम अनिवार्य सेवा की प्रकृति के होते हैं। जब इन कामों के लिए एक सरकारी कर्मचारी की नियुक्ति की जाती है तो वो इससे इनकार नहीं कर सकता । कुछ विशेष परिस्थितियों में ही उसे इस सेवा से मुक्त किया जा सकता है। सच तो यह है कि इन कामों को ज्यादातर कर्मचारी एक बोझ की तरह देखते हैं । चुनाव और जनगणना के कार्य में किसी किस्म की लापरवाही और हेराफेरी करने पर कर्मचारी की नौकरी पर खतरा आ सकता है । चुनाव कार्य के दौरान कर्मचारी पूरी तरह से चुनाव आयोग के अधीन हो जाता है और उसके द्वारा प्रदत्त कार्यों को उसे हर हाल में ईमानदारी से पूरा करना होता है। यह कहना गलत नहीं है कि चुनाव और जनगणना जैसे कामों के दौरान कर्मचारी दबाव तो महसूस करते हैं। सबसे बड़ी समस्या भी यही है कि सरकारी कर्मचारियों को दबाव में काम करने की आदत नहीं होती है। वास्तव में सरकारी नौकरी का मतलब ही मजे करना है और ज्यादातर विभागों में ऐसा ही होता है। वैसे कई सरकारी विभागों में भी कर्मचारियों और अधिकारियों पर काम का दबाव होता है ।

बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है जिसमें किसी भी कर्मचारी द्वारा आत्महत्या करने की खबर नहीं आयी और न ही किसी कर्मचारी के दिल के दौरे से मरने का समाचार प्राप्त हुआ । बिहार में एसआईआर के दौरान किसी भी कर्मचारी ने काम के दबाव का आरोप नहीं लगाया । चुनाव आयोग का कहना है कि इस प्रक्रिया के दौरान कर्मचारी को लगभग एक हजार मतदाताओं के फार्म बांटने और जमा करने हैं । यह काम कर्मचारियों के लिए नया नहीं है और इसके लिए उनको पूरा प्रशिक्षण दिया गया है। आयोग का कहना है कि अगर इन घटनाओं में सच्चाई है तो बिहार में ऐसी घटनाएं सामने क्यों नहीं आईं । उसका यह भी कहना है कि बिहार में तो कम समय में इस प्रक्रिया को पूरा किया गया है। इसके अलावा आयोग का कहना है कि दूसरे चरण की प्रक्रिया में बीएलओ को कोई दस्तावेज भी नहीं लेने हैं । आयोग ने कहा है कि ये घटनाएं तब सामने आ रही हैं, जब एसआईआर का अधिकांश से काम पूरा हो गया है। उसका कहना है कि ये घटनाएं जिन राज्यों में सामने आई हैं, उइस संबंध में रिपोर्ट मांगी गई है, लेकिन अभी तक किसी भी राज्य से रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। चुनाव आयोग का बयान ठीक हो सकता है लेकिन इस सच्चाई की अनदेखी नहीं की जा सकती कि दो दर्जन से ज्यादा कर्मचारियों की मौत गंभीर मामला है। इसकी जांच तो होनी ही चाहिए कि इन कर्मचारियों की मौत कैसे हुई हैं । आत्महत्या करने की कुछ और वजह भी हो सकती है लेकिन ये घटनाएं एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान हुई हैं । इन सवालों का जवाब ढूंढने की जरूरत है।

मीडिया इन मौतों की बात कर रहा है, लेकिन इस समस्या का दूसरा पहलू भी है। बीएलओ पर सिर्फ काम का ही दबाव हो, ऐसा नहीं हो सकता है। उनकी आत्महत्याओं के कुछ और भी कारण हो सकते हैं। जिन बीएलओ की दिल के दौरे से मौत हुई हैं, उनका स्वास्थ्य पहले से खराब हो सकता है। इस प्रक्रिया में हज़ारो कर्मचारी शामिल हैं, जो एक महीने से ज्यादा समय से इसमें भाग ले रहे हैं। कुछ लोगों की मौत सिर्फ इत्तफाक भी हो सकती हैं। विपक्षी दल बीएलओ की मौत को मुद्दा इसलिए बना रहे हैं क्योंकि वो इन मौतों की आड़ में एसआईआर को रोकना चाहते हैं। विपक्ष इस प्रक्रिया को वोट चोरी का नाम दे रहा है जबकि यह सारा काम बीएलओ द्वारा किया जा रहा है। एक तरफ विपक्ष बीएलओ की मौत को मुद्दा बना रहा है तो दूसरी तरफ वो बीएलओ की ईमानदारी पर शक कर रहा है। इस काम में बीएलओ का सहयोग देने के लिए बीएलए की तैनाती भी की गई हैं। बीएलए राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता हैं, जिन्हें संबंधित राजनीतिक दलों द्वारा नामांकित किया गया है।

हो सकता है कि कुछ जगहों पर बीएलओ पर गलत काम करने का दबाव बनाया जा रहा हो । बीएलओ स्थानीय निवासी होते हैं, वो अपने इलाके के लोगों को जानते हैं। हो सकता है कि कुछ जगहों पर उन पर अयोग्य लोगों को मतदाता सूची में शामिल करने का दबाव बनाया जा रहा हो। यह भी हो सकता है कि कुछ जगहों पर उन पर योग्य लोगों को मतदाता सूची से बाहर निकालने का दबाव बनाया जा रहा हो। कुछ भी हो लेकिन सच्चाई जनता के सामने आनी चाहिए क्योंकि हर व्यक्ति की जान की कीमत होती है । बीएलओ की मौत देश का जरूरी काम करते हुए हुई हैं, इसलिए भी यह एक गंभीर मामला है । इस पर राजनीति से हटकर कामकरने की जरूरत है और इस पर माननीय अदालत को भी संज्ञान लेना चाहिए।

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण के मौलिक कारणों को समझे बिना निदान बेहद मुश्किल, समझिए हुजूर!

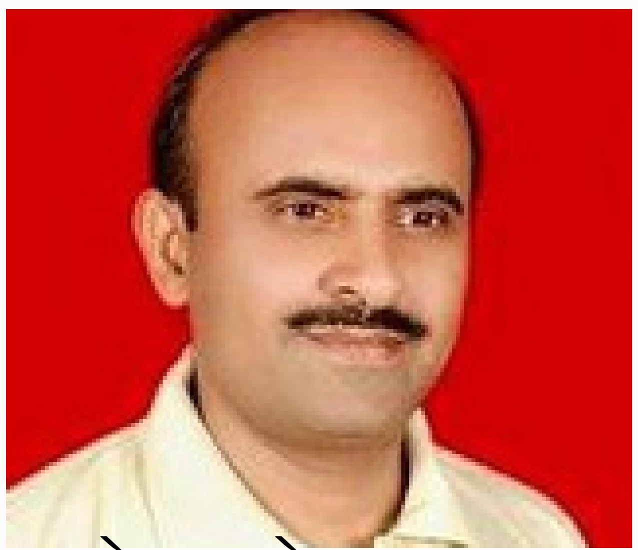

कमलेश पाण्डेय

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ता वायु प्रदूषण अब केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के गले की हड्डी बन चुकी है क्योंकि उनके मातहत कार्यरत प्रशासन निरंतर अदूरदर्शिता केरल का घाव निर्णय लेने का आदी बन चुका है। लिहाजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की चिंताएं स्वाभाविक हैं, लेकिन इन्हें भी प्रदूषण की बुनियादी बातों को समझना पड़ेगा और सर्वमान्य हल देने पड़ेंगे अन्यथा बात का बतंगड़ बनते देर नहीं लगेगी।

इसलिए सबको पहले दिल्ली-एनसीआर के बढ़ते प्रदूषण के मौलिक कारणों को समझना होगा, फिर उसका माकूल वैज्ञानिक हल निकालने का माकूल प्रयास करना होगा, अन्यथा इसका निदान बेहद मुश्किल प्रतीत होता रहेगा। आखिर बीते कई दशकों से 'सांप निकल जाने के बाद लाठी पीटने' की जो प्रशासनिक कवायद जारी है, उससे किसी का भी भला होने वाला नहीं है। खासकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों का तो कतई नहीं क्योंकि दिल्ली का न तो मौसम अपना है, न पानी। बस 'दलाली' की जिंदगानी से गुजर बसर चल रहा है।

यही वजह है कि प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) ने दिल्ली-एनसीआर में बिगड़ती वायु गुणवत्ता पर एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई जिसमें प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों (जैसे BS3) के खिलाफ जांच और कड़ी कार्रवाई तेज करने तथा इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। वाकई ये चिंताएं वाहनों से निकलने वाले उत्सर्जन को प्रमुख प्रदूषण स्रोत मानती हैं।

वहीं, सर्वोच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने 26 नवंबर 2025 को दिल्ली-एनसीआर प्रदूषण पर सुनवाई के दौरान गंभीर चिंता जताई और दो टूक शब्दों में कहा कि न्यायिक मंच के पास कोई "जादू की छड़ी" नहीं है जो समस्या तुरंत हल कर दे। उन्होंने इसे स्वास्थ्य आपातकाल बताया और तत्काल निर्देश मांगे ताकि लोगों को साफ हवा मिले। अपनी प्रमुख टिप्पणियां देते हुए सीजेआई ने कहा कि प्रदूषण के कारण एकल नहीं बल्कि बहुआयामी हैं, इसलिए सभी कारणों की पहचान कर विशेषज्ञों से क्षेत्र-विशेष समाधान निकालने होंगे।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने प्रदूषण की नियमित निगरानी और सुनवाई पर जोर दिया, क्योंकि दिवाली के बाद मामले गायब हो जाते हैं। इसलिए उन्होंने सरकार की समितियों की समीक्षा का आदेश दिया। साथ ही अगली सुनवाई के लिए 1 दिसंबर 2025 की तिथि मुकर्रर कर दी, जब व्यापक सुनवाई होगी। वहीं, व्यक्तिगत प्रभाव को स्पष्ट करते हुए सीजेआई ने स्वयं बताया कि प्रदूषण से सुबह की सैर बंद कर दी है क्योंकि टहलने के बाद सांस लेने में दिक्कत होती है और शाम को हवा अपेक्षाकृत बेहतर रहती है। कोर्ट वर्चुअल सुनवाई पर विचार कर रहा है। ये बयान समस्या की गंभीरता रेखांकित करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर वायु प्रदूषण के समाधान के लिए निम्न सिफारिशें मांगी हैं: पहला, प्रदूषण के सभी कारणों की व्यापक पहचान करने और विशेषज्ञों तथा वैज्ञानिकों को शामिल करते हुए क्षेत्र-विशेष समाधान निकालने की आवश्यकता पर जोर दिया है। दूसरा, सरकार द्वारा बनाई गई कमेटियों और उनसे मिली रिपोर्टों की समीक्षा करना ताकि उनके कामकाज और प्रभावकारिता को परखा जा सके। तीसरा, प्रदूषण की निरंतर मॉनिटरिंग और एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) की नियमित निगरानी को मजबूत करना। चतुर्थ, तत्काल और दीर्घकालिक उपायों पर ध्यान देना जिससे लोगों को तुरंत और स्थायी रूप से साफ हवा मिले। पांचवां, आगामी सुनवाई में इन उपायों की प्रगति और प्रभाव का आकलन करना। देखा जाए तो यह सिफारिशें प्रदूषण की जटिलता और उसकी बहुदूरी प्रकृति को ध्यान में रखते हुए दी गई हैं, जिनका उद्देश्य तुरंत राहत देना और दीर्घकालिक सुधार सुनिश्चित करना है।

याद दिला दें कि निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट ने भी प्रदूषण रोकने के लिए एजेंसियों से पहले से तैयारी करने को कहा था, न कि स्थिति बिगड़ने पर प्रतिक्रिया देने को। तब कोर्ट ने निर्माण कार्यों पर पूर्ण रोक खारिज कर दीर्घकालिक समाधान, जैसे हितधारकों की संयुक्त बैठकें, पर जोर दिया ताकि पर्यावरण और विकास का संतुलन बने। वहीं, चिंताओं की वैधताये को स्पष्ट करते हुए कहा था कि कुछ चिंताएं अत्यधिक वैध हैं क्योंकि वाहन उत्सर्जन दिल्ली-एनसीआर प्रदूषण का प्रमुख कारण (लगभग 30-40%) है और पूर्व-कार्ययोजना की कमी से हर साल GRAP चरण लागू होते हैं। इसलिए कोर्ट का दीर्घकालिक फोकस व्यावहारिक है, क्योंकि अस्थायी उपाय जैसे पराली जलाना या निर्माण रोक असरदार साबित नहीं हुए, जबकि EV प्रोत्साहन और समन्वित प्रयास वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित हैं।

समझिए, दिल्ली में प्रदूषण की मौलिक वजह क्या है? उल्लेखनीय है कि दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण की मौलिक वजह मुख्यतः औद्योगिक धुआं, वाहनों से निकलने वाला धुआं, कचरा जलाना, निर्माण कार्य और सड़कों की धूल है। इसके अलावा, उत्तर भारत के निकटवर्ती जिलों से आने वाला प्रदूषण भी दिल्ली की हवा की गुणवत्ता को बेहद प्रभावित करता है। पराली जलाना इस बार दिल्ली के प्रदूषण में अपेक्षाकृत कम योगदान देता है। मुख्य प्रदूषण स्रोत निम्नलिखित हैं-

पहला, औद्योगिक उत्सर्जन और अवैध कचरा जलाना दिल्ली में प्रदूषण का बड़ा कारण हैं। कई बार औद्योगिक और घरेलू कचरे की अवैध जलाने की घटनाएं घनी धुंध बनाने में सहायक होती हैं।

दूसरा, वाहनों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण में सबसे अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दिल्ली में भारी ट्रैफिक जाम और धीमी गति के कारण वाहन ईंधन अधिक जलाते हैं, जिससे जहरीली गैसों का उत्सर्जन बढ़ता है।

तीसरा, निर्माण स्थलों से निकलने वाली धूल और टूटी सड़कों की धूल भी वायु प्रदूषण में एक बड़ा योगदान देती हैं।

चतुर्थ, आस-पास के एनसीआर इलाकों से आने वाला प्रदूषण भी दिल्ली की हवा को जहरीला बनाता है।

पंचम, पराली और अन्य स्रोतों का योगदान सम्बन्धी हाल की रिपोर्टों के अनुसार, पराली जलाने का दिल्ली के कुल प्रदूषण में केवल लगभग 2% का योगदान है, जो पहले के वर्षों के मुकाबले कम माना गया है।

छठा, दिल्ली में खुले में कचरा जलाना, बायोमास जलाना, व गर्मी के मौसम में खाना पकाने से निकलने वाले धुएं का प्रदूषण में बड़ा हिस्सा होता है।

इस प्रकार, दिल्ली में प्रदूषण का समाधान औद्योगिकीकरण, वाहनों पर नियंत्रण, कचरा प्रबंधन, निर्माण कार्यों की निगरानी, और एनसीआर क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण के संयुक्त प्रयासों से ही संभव हो सकता है।

यही वजह है कि दिल्ली में वाहनों से निकलने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) को बढ़ावा देना, पुराने वाहनों पर सख्ती, रेट्रोफिटिंग डिवाइस लगाना और GRAP उपायों का कड़ाई से पालन मुख्य उपाय हैं, जो इसप्रकार हैं:-

पहला, सरकारी नीतियां और पहल: EV नीति 2.0: अगस्त 2026 से नए पेट्रोल, डीजल और CNG दोपहिया वाहनों की रजिस्ट्रेशन पर पूर्ण प्रतिबंध लगेगा। CNG ऑटो रिक्शा को EV से बदलने का लक्ष्य है, साथ ही चार्जिंग स्टेशन बढ़ाए जाएंगे।

दूसरा, पुराने वाहनों पर कार्रवाई: BS-I और BS-III वाहनों (लगभग 37% कुल वाहन) के खिलाफ PMO ने रियल-टाइम ट्रैकिंग, AI-आधारित मॉनिटरिंग और सख्त जुर्माना लगाने के निर्देश दिए हैं।

तीसरा, रेट्रोफिटिंग: DPCC द्वारा BS-III/IV वाहनों में कैटेलिटिक कन्वर्टर डिवाइस लगाने का पायलट प्रोजेक्ट शुरू, जो PM10/PM2.5 को 70% तक कम कर सकता है। IIT दिल्ली और ICAT टेस्टिंग करेंगे।

चतुर्थ, GRAP और अन्य उपाय: GRAP चरण-1/2 में सख्ती बढ़ाई गई है, जिसमें पुराने डीजल/पेट्रोल वाहनों पर पाबंदी, कंस्ट्रक्शन रोक और डीजल जनरेटर सीमित करना शामिल है।

पंचम, CNG का उपयोग बढ़ाएं, क्योंकि यह डीजल से बेहतर जलता है और प्रदूषण कम करता है।

छठा, कम सल्फर ईंधन, कैटेलिटिक कन्वर्टर और सख्त उत्सर्जन मानक (जैसे BS-VI) लागू करें।

सातवां, व्यक्तिगत कदमसार्वजनिक परिवहन या कारपूलिंग अपनाएं, पुराने वाहन स्क्रैप करें। EV खरीदने पर सब्सिडी लें और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करें।

यही वजह है कि दिल्ली में वाहनों से प्रदूषण कम करने वाली पॉलिसी में सबसे जल्दी प्रभाव पुराने वाहनों पर सख्त प्रतिबंध, GRAP के तत्काल उपाय और बॉर्डर पर BS-VI/CNG/EV-only एंट्री दिखाएंगे।

पहला, त्वरित प्रभाव वाली नीतियां: पुराने वाहनों पर तत्काल कार्रवाई: BS-III/BS-I वाहनों पर PMO के निर्देश से रियल-टाइम ट्रैकिंग, AI मॉनिटरिंग और जुर्माना लगाना। ये 37% वाहनों को लक्षित कर तुरंत उत्सर्जन घटाएगा।

दूसरा, GRAP चरण-1/2 सख्ती: पुराने डीजल वाहनों की पाबंदी, डीजल जनरेटर सीमित करना और कंस्ट्रक्शन रोक। हाल ही में GRAP-3 हटने पर भी ये उपाय जारी रहेंगे, जो AQI में तेज सुधार लाते हैं।

तीसरा, बॉर्डर एंट्री प्रतिबंध: नवंबर 2025 से केवल BS-VI, CNG या EV वाहनों को दिल्ली में प्रवेश, ANPR कैमरों से लागू। इससे बाहरी प्रदूषण स्रोत 30-40% कम हो सकते हैं।

चतुर्थ, अन्य तेज उपाय: रेट्रोफिटिंग डिवाइस: BS-III/IV वाहनों में कैटेलिटिक कन्वर्टर लगाना, जो PM को 70% तक घटाए। पायलट प्रोजेक्ट तुरंत शुरू हो चुका है।

पंचम, पीयूसीसी सेंटर ऑडिट और ट्रैफिक सिस्टम: द्विमासिक जांच से अनुपालन बढ़ेगा, स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम जाम कम कर उत्सर्जन घटाएगा।

निःसन्देह, ये बदलाव 1-4 सप्ताह में AQI में 20-50 अंकों का सुधार दिखा सकते हैं, बशर्ते कड़ाई से लागू हों।

कमलेश पाण्डेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

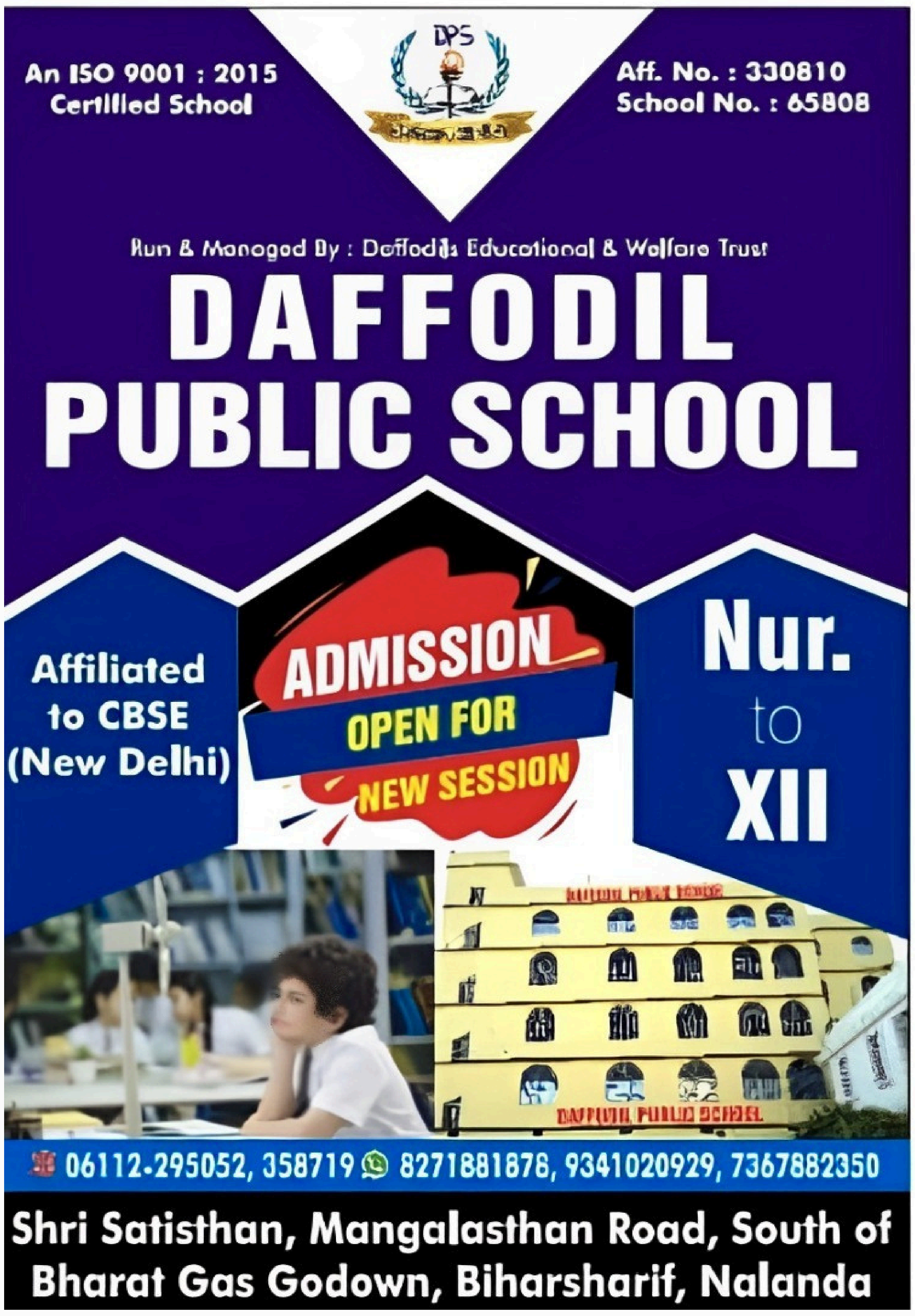

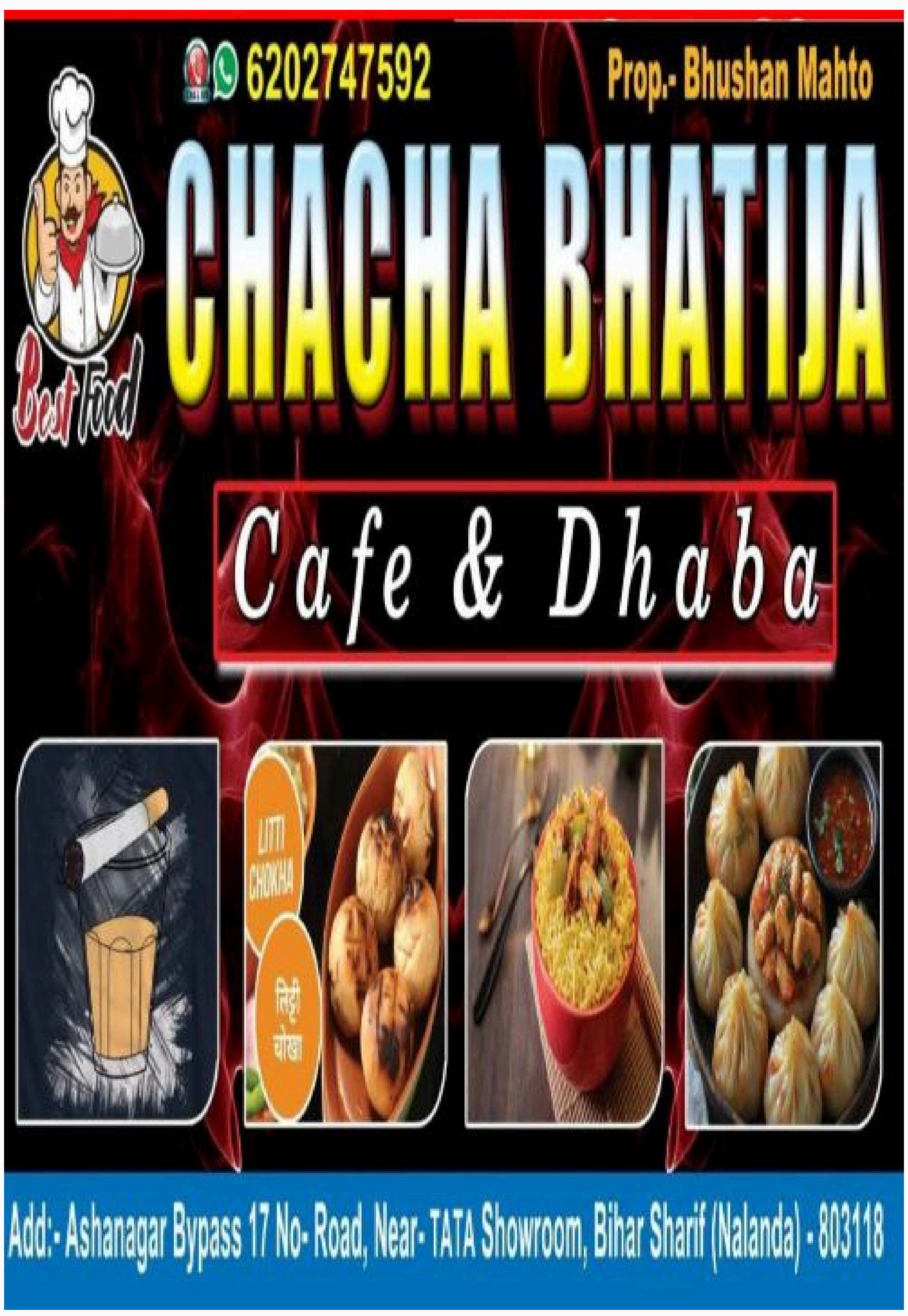

शिवनंदन नगर में अतिक्रमण प्रभावितों से मिले मंत्री, मानवीय समाधान का आश्वासन

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के रहुई प्रखंड अंतर्गत सोनसा पंचायत स्थित शिवनंदन नगर में अतिक्रमण मुक्त कराए गए परिवारों से मिलने शुक्रवार को गन्ना एवं उद्योग मंत्री संजय कुमार पासवान और जमुई सांसद अरुण भारती पहुंचे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं, वर्तमान स्थिति और प्रशासनिक कार्रवाई के संबंध में विस्तृत जानकारी ली।

गौरतलब है कि हाई कोर्ट के आदेश के बाद शिवनंदन नगर के लगभग 135 घरों को अतिक्रमण मुक्त करने का नोटिस जारी किया गया था। नोटिस के पश्चात जिला प्रशासन ने हाल के दिनों में सात से आठ घरों को अतिक्रमण मुक्त कराया है। कार्रवाई के बाद प्रभावित परिवारों में असुरक्षा और भविष्य को लेकर चिंता बढ़ी हुई है।

मौके पर उपस्थित सांसद अरुण भारती ने कहा कि "मीडिया और विपक्ष की ओर से यह गलत प्रचार किया जा रहा है कि बिहार में योगी मॉडल के तहत बुलडोजर चलाया जा रहा है। सच यह है कि कार्रवाई केवल हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार की जा रही है।" उन्होंने प्रभावित परिवारों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार मानवीय पहलू को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी और किसी भी परिवार को बेघर नहीं होने दिया जाएगा।

सांसद ने यह भी कहा कि सरकार से बातचीत कर समस्या के समाधान के लिए ठोस पहल की जाएगी, ताकि प्रभावित लोग सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से रहने का विकल्प पा सकें। मंत्री संजय कुमार पासवान ने भी पुनर्वास और राहत से जुड़े मुद्दों पर परिवारों की बात ध्यानपूर्वक सुनी और आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया।

बाल विवाह रोकथाम को लेकर मध्य विद्यालय मई में जागरूकता नाटक एवं कार्यक्रम आयोजित

हिलसा (अपना नालंदा)। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत हिलसा शहर के मध्य विद्यालय मई में नाटक, पेंटिंग, रंगोली और कई जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्कूली बच्चों ने बाल विवाह की कुरीति पर जोरदार नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें बाल विवाह के दुष्परिणाम और समाज पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को प्रभावशाली तरीके से दर्शाया गया। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने संदेश दिया कि बाल विवाह न केवल शिक्षा और विकास में बाधक है, बल्कि यह बच्चों के स्वास्थ्य और भविष्य के लिए भी हानिकारक है।

कार्यक्रम विद्यालय के सभी शिक्षकों की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मौके पर उपस्थित प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (BEO) नितेश कुमार रंजन ने कहा कि "सरकार ने बाल विवाह रोकने के लिए कठोर कानून बनाए हैं। लड़कियों की शादी की उम्र 18 वर्ष और लड़कों की 21 वर्ष निर्धारित है। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य लोगों में जागरूकता पैदा करना और समाज को इस बुराई के खिलाफ एकजुट करना है।"

उन्होंने विद्यालय के बच्चों को बाल विवाह न करने और न होने देने का सामूहिक संकल्प भी दिलाया।विद्यालय के प्रधानाध्यापक कुमार पंकज ने अपने संबोधन में कहा कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक अभिशाप है, जो बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और करियर को गहरी चोट पहुंचाता है। शिक्षकों ने छात्रों को समझाया कि बाल विवाह कानून का उल्लंघन है और उनके सपनों के बीच एक बड़ी बाधा है।

कार्यक्रम में शिक्षक राजेश कुमार, ज्योति कुमारी, सिम्पल कुमारी, खुश्बू, कविता समेत कई शिक्षक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री रोजगार योजना का लाइव टेलीकास्टिंग हिलसा में जीविका दीदियों की सहभागिता

हिलसा (अपना नालंदा)। मुख्यमंत्री रोजगार योजना का राज्य स्तरीय लाइव टेलीकास्टिंग शुक्रवार को हिलसा प्रखंड कार्यालय के सभागार कक्ष में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीडीओ अमर कुमार ने की, जिसमें लगभग 175 जीविका दीदियों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेशभर के लाभुकों को संबोधित करते हुए योजना की प्रगति और आगामी किस्तों की जानकारी साझा की गई।

लाइव प्रसारण के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक 1 करोड़ 46 लाख लाभुकों के बैंक खातों में राशि भेजी जा चुकी है। शुक्रवार को राज्य के 10 लाख सदस्यों के खातों में 10-10 हजार रुपये की राशि अंतरण की गई। मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों को आत्मनिर्भर बनने, रोजगार बढ़ाने और विभिन्न आजीविका गतिविधियों में जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

प्रखंड जीविका परियोजना प्रबंधक राजेश कुमार ने बताया कि हिलसा प्रखंड से अब तक 26,000 आवेदन दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 12,000 लाभुकों के खाते में राशि प्राप्त हो चुकी है। वहीं 3,000 आवेदन आधार सत्यापन के लिए वापस हुए हैं। शेष लाभुकों का पैसा चार किस्तों में 26 दिसंबर तक भेज दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी लाभुकों को समय पर राशि उपलब्ध कराने के लिए टीम लगातार कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में राजीव रंजन, क्षेत्रीय समन्वयक शबनम कुमारी, कार्यालय सहायक उदय कुमार, कुल 16 जीविका सीआरपी, तथा 175 महिलाएं उपस्थित रहीं। प्रतिभागियों ने मुख्यमंत्री के अभिभाषण को ध्यानपूर्वक सुना और रोजगार के विभिन्न अवसरों के बारे में प्रेरक जानकारी प्राप्त की।

हिलसा-नूरसराय सड़क चौड़ीकरण पर भूमि अधिग्रहण जनसुनवाई संपन्न हुई

थरथरी (अपना नालंदा)। हिलसा-नूरसराय मुख्य पथ के चौड़ीकरण कार्य को लेकर शुक्रवार को थरथरी प्रखंड के पुराने अस्पताल भवन में भूमि अधिग्रहण संबंधी सार्वजनिक जनसुनवाई आयोजित की गई। इस जनसुनवाई में अपर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, अंचलाधिकारी चेतना कुमारी, स्थानीय रैयत, किसान एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। बैठक का उद्देश्य सड़क चौड़ीकरण की प्रक्रिया, प्रभावित भूमि की माप-जोख, मुआवजा निर्धारण तथा अधिग्रहण से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों के बारे में ग्रामीणों को विस्तृत जानकारी देना था।

बैठक में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं, आशंकाएं और सुझाव अधिकारियों के सामने रखे। कई ग्रामीणों ने कहा कि सड़क चौड़ीकरण से आवागमन तो सुगम होगा लेकिन मुआवजे के मूल्यांकन में पूर्ण पारदर्शिता रखी जाए ताकि किसी को आर्थिक नुकसान न हो। इस पर अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि प्रक्रिया निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से पूरी की जाएगी।

अपर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि सभी किसानों और भू-स्वामियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाएगा। जितनी भी भूमि अधिग्रहित की जाएगी, उसका मुआवजा तय मानकों और वास्तविक तथ्यों के आधार पर दिया जाएगा। वहीं, अंचलाधिकारी चेतना कुमारी ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि अधिग्रहण कार्य में किसी की सहमति और जानकारी के बिना कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

जनसुनवाई शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीणों के सुझावों को नोट कर लिया गया है और सड़क चौड़ीकरण से जुड़ी अगली प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी।

हिलसा थाना पीछे वाली गली में बदमाशों की फायरिंग से कोचिंग हब दहशतग्रस्त

हिलसा (अपना नालंदा)। हिलसा शहर का प्रमुख कोचिंग जोन और धार्मिक स्थल सूर्य मंदिर तालाब का उत्तरी इलाका, थाना के ठीक पीछे स्थित वाली गली, इन दिनों अपराधियों का सुरक्षित अड्डा बन गया है। प्रतिदिन होने वाली फायरिंग की घटनाओं ने स्थानीय लोगों, खासकर कोचिंग जाने वाले छात्र-छात्राओं और महिलाओं में गहरी दहशत पैदा कर दी है। शुक्रवार की सुबह भी बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। छात्राएं इधर-उधर भागकर अपनी सुरक्षा तलाशती रहीं। घटना स्थल से स्थानीय लोगों ने एक जिंदा खोखा भी बरामद किया है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि गोली चलने की आवाजें थाना परिसर तक साफ-साफ सुनाई देती हैं, फिर भी पुलिस की सक्रियता नदारद है। लोग इसे प्रशासनिक लापरवाही बताते हुए कहते हैं कि पुलिस किसी बड़ी वारदात के इंतजार में हाथ पर हाथ धरे बैठी है।

कट्टा लहराना और खुलेआम फायरिंग—अब 'रोज़मर्रा' की वारदात

वाली गली के आसपास दर्जनों कोचिंग सेंटर संचालित होते हैं, जहां सुबह से शाम तक हजारों छात्र-छात्राएं आते-जाते रहते हैं। इसी भीड़ का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व यहां समूह बनाकर खड़े रहते हैं। बात-बात पर कट्टा निकालना, हवा में फायरिंग करना और लोगों को डराना-धमकाना अब यहां नियमित घटना बन चुकी है। कोचिंग संचालक भी लगातार भय में काम कर रहे हैं।छात्राओं व महिलाओं पर फब्तियां, रास्ता रोकना; भय का माहौलइस क्षेत्र में बदमाशों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि छात्राओं और महिलाओं के साथ छेड़खानी, अश्लील फब्तियां कसना और रास्ता रोकना आम बात हो गई है। कई छात्राएं डर के कारण कोचिंग जाना छोड़ चुकी हैं। स्थानीय महिलाओं ने भी इस रास्ते से गुजरना लगभग बंद कर दिया है। लोग बताते हैं कि शाम होते ही इस इलाके में असुरक्षा का माहौल पूरी तरह हावी हो जाता है।

सीसीटीवी कैमरे लगे, लेकिन कार्रवाई नदारद

कोचिंग संस्थानों और आसपास के घरों में कई सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद असामाजिक तत्वों पर ठोस कार्रवाई अब तक नहीं हुई है। लगातार फायरिंग और मारपीट की घटनाओं ने पुलिस-प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़ा कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो किसी भी दिन कोई बड़ी आपराधिक वारदात हो सकती है। नागरिकों ने बाली गली में स्थायी पुलिस गश्त, संदिग्ध युवकों की पहचान और तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि फायरिंग की सूचना पर इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें एक व्यक्ति को फायरिंग करते हुए देखा गया है। उसकी पहचान की जा रही है। पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष का कहना है कि जल्द ही दोषियों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।

बेन थाना पुलिस ने शराब सेवन और बरामदगी के आरोप में कई गिरफ्तार

बेन (अपना नालंदा)। बेन थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब सेवन और बरामदगी के मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए कई लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष रविराज कुमार ने बताया कि पत्नी और पुत्र द्वारा दी गई सूचना पर अपराध संख्या 67/25 के तहत बिजेंद्र रविदास (52 वर्ष), पिता दाहू रविदास, निवासी पदुमबीघा को शराब सेवन की पुष्टि होने पर गिरफ्तार किया गया। मेडिकल जांच में शराब पीने की पुष्टि होने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

इसके अलावा अपराध संख्या 254/25 में बबलू मांझी (25 वर्ष), पिता चंद्रदीप मांझी, निवासी जफरा को उसके घर से छापेमारी कर 8 लीटर अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। उसे भी कड़ी पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

गश्ती के दौरान पुलिस टीम ने मखदुमपुर पक्की सड़क से शराब सेवन के आरोप में कई लोगों को पकड़ा। इनमें संजीव कुमार (39 वर्ष), पिता विजय सिंह, निवासी मुजफ्फरनगर; विकास कुमार (22 वर्ष), पिता अनिल राम, निवासी डुमरी; पिंटू कुमार (42 वर्ष), पिता सुखु मिस्त्री; रंजीत कुमार, पिता गौरी शंकर, दोनों निवासी बिछाकोल; चंदू प्रसाद (48 वर्ष), पिता शिव प्रसाद, निवासी पहेतीया, थाना सिलाव; अजीत राम (25 वर्ष), पिता प्रवेश राम तथा मिट्टू कुमार (18 वर्ष), पिता सुरेंद्र राम, थाना बेन शामिल हैं।

सभी आरोपितों की मेडिकल जांच में शराब सेवन की पुष्टि हुई, जिसके बाद बेन थाना पुलिस ने सभी को विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब के विरुद्ध विशेष अभियान जारी रहेगा।

रबी सीजन में उर्वरक आपूर्ति सुनिश्चित करने को कृषि मंत्री ने समीक्षा की

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। रबी मौसम में किसानों को समय पर और उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि मंत्री रामकृपाल यादव की अध्यक्षता में शुक्रवार को विभागीय अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उर्वरकों की उपलब्धता, भंडारण, आपूर्ति और वितरण व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई।

कृषि मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसानों को किसी भी स्थिति में उर्वरक की कमी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कृषि विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार को मुख्यालय स्तर से विशेष उड़नदस्ता दल गठित करने का आदेश दिया, जो सभी जिलों में औचक छापेमारी कर कालाबाजारी, जमाखोरी और अधिक मूल्य वसूली पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि अब विभागीय अधिकारी केवल कार्यालय तक सीमित न रहते हुए नियमित रूप से फील्ड में जाकर किसानों से संवाद स्थापित करेंगे और जमीनी स्थिति की निगरानी करेंगे।

मंत्री ने सभी जिलों में उर्वरकों की दैनिक निगरानी रिपोर्ट तैयार करने तथा किसी भी गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने हेल्पलाइन और कंट्रोल रूम को भी अधिक सक्रिय और संवेदनशील रखने पर जोर दिया।उन्होंने जानकारी दी कि रबी मौसम के लिए बिहार को केंद्र सरकार द्वारा 13.50 लाख मैट्रिक टन यूरिया, 3.90 लाख मैट्रिक टन डीएपी, 3.50 लाख मैट्रिक टन एनपीके, 1.50 लाख मैट्रिक टन एमओपी तथा 1 लाख मैट्रिक टन एसएसपी की आवश्यकता निर्धारित की गई है। 28 नवंबर 2025 तक राज्य में 3.34 लाख टन यूरिया, 1.55 लाख टन डीएपी, 2.37 लाख टन एनपीके, 0.55 लाख टन एमओपी और 1.12 लाख टन एसएसपी उपलब्ध है।उन्होंने बताया कि रबी 2025-26 में अब तक 12 उर्वरक प्रतिष्ठानों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है और 41 प्रतिष्ठानों का लाइसेंस रद्द किया गया है। मंत्री ने सीमा से सटे जिलों में तस्करी रोकने के लिए सशस्त्र सीमा बल के साथ संयुक्त कार्रवाई तेज करने का निर्देश भी दिया।

नीतीश कुमार की जीरो टॉलरेंस नीति पर जनता का भरोसा कायम: जदयू

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। जद (यू) के प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपराध, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर लगातार कायम रहे हैं। यह केवल एक राजनीतिक घोषणा नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन के हर स्तर पर लागू की गई सख्त और पारदर्शी नीति है, जिसने बिहार की कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक ढांचे में महत्वपूर्ण सकारात्मक बदलाव लाए हैं।

हिमराज राम ने कहा कि आज जनता का अपार समर्थन और मुख्यमंत्री की नेतृत्व क्षमता पर अटूट भरोसा इस बात का प्रमाण है कि राज्य में कानून का राज और अधिक मजबूत हुआ है। इसी विश्वास का परिणाम है कि विधानसभा चुनाव में एनडीए को बड़ी सफलता मिली और लोगों ने एक बार फिर विकास एवं सुशासन के पक्ष में वोट दिया।

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की छवि एक ईमानदार, विकासोन्मुख और संवेदनशील नेता की रही है। उनकी कार्यशैली और दृढ़ संकल्प के कारण बिहार ने पिछले वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा और सामाजिक सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। जनता यह भली-भांति समझती है कि राज्य को स्थिर, प्रगतिशील और शांतिपूर्ण दिशा में ले जाने के लिए इसी नेतृत्व की आवश्यकता है।

जद (यू) प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री भविष्य में भी किसी तरह का समझौता किए बिना अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को आगे बढ़ाते रहेंगे। बिहार को सुशासन, सामाजिक सौहार्द और विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाना उनका दृढ़ संकल्प है। उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग से राज्य निरंतर आगे बढ़ता रहेगा और नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

नालंदा विश्वविद्यालय में 'धर्म और वैश्विक नैतिकता' पर अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का सफल समापन

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।नालंदा विश्वविद्यालय में आज "धर्म और वैश्विक नैतिकता: भारतीय शास्त्र-परंपरा के आलोक में" विषय पर अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का सफल आयोजन किया गया, जिसमें भारत और विदेशों से प्रतिष्ठित विद्वानों, नीति-निर्माताओं, आध्यात्मिक साधकों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया। एक दिवसीय इस कांफ्रेंस में धर्म, सभ्यतागत ज्ञान, वैश्विक नैतिकता, स्थिरता एवं समकालीन नैतिक चुनौतियों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। भारतीय शास्त्र-परंपराएँ, जो कभी अध्ययन के परिधि में मानी जाती थीं, अब शैक्षणिक विमर्श और व्यावहारिक उपयोग के केंद्र में अपनी महत्ता स्थापित कर रही हैं। नालंदा विश्वविद्यालय ऐसे कांफ्रेंस के माध्यम से प्राचीन भारतीय ज्ञान को समकालीन संदर्भों में लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। प्रकृति और सस्टेनेबिलिटी से संबंधित ये प्राचीन बोध आज भारत और विश्व के सामने उपस्थित अनेक चुनौतियों का समाधान प्रदान कर सकती हैं।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत नालंदा विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा भागवद्गीता के ध्यान-श्लोक के सामूहिक पाठ से हुई। इसके बाद विश्वविद्यालय के एसबीएसपीसीआर स्कूल के डीन एवं कांफ्रेंस संयोजक प्रो. गोदावरिश मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया।

उद्घाटन संबोधन में विदेश मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री अंजु रंजन ने वैश्विक परस्परता और अंतर-सांस्कृतिक संवाद के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि "सभ्यतागत संवाद और साझा नैतिक दायित्व ही एक परस्पर-निर्भर विश्व में सार्थक सहयोग को संभव बना सकते हैं।"

मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षा मंत्रालय के भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक प्रो. गंटी एस. मूर्ति ने भारतीय शास्त्र-परंपरा और आधुनिक ज्ञान-प्रणालियों के सशक्त समन्वय को प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि "भारतीय बौद्धिक परंपराएँ एक समन्वित और सुसंगत दृष्टिकोण प्रस्तुत करती हैं, जो आज के वैज्ञानिक अन्वेषण और नैतिक नेतृत्व दोनों को समृद्ध कर सकती हैं।"

थाईलैंड के सुप्रसिद्ध संस्कृत विद्वान पद्मश्री प्रो. चिरापत प्रपांद्विद्या ने संस्कृत और पाली ग्रंथों में सुरक्षित एशियाई सभ्यताओं की साझा विरासत पर अपने सम्बोधन में कहा कि "शास्त्रीय परंपराएँ एशिया की सांस्कृतिक एकता को गहराई से उजागर करती हैं और धर्म को एक सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत के रूप में स्थापित करती हैं।"

नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने अध्यक्षीय संबोधन में वैश्विक नैतिकता और मानवीय कल्याण पर एक दूरदर्शी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि, "हमारा दायित्व है कि हम करुणा, पारस्परिकता और कालातीत ज्ञान पर आधारित वैश्विक चिंतकों के समुदाय का निर्माण करें—ताकि शांति, अहिंसा और संतोष हमारे सामूहिक आचरण में पुनः प्रतिष्ठित हो सकें।" उन्होंने यह भी कहा कि बढ़ती वैश्विक अस्थिरता और असंतोष के बीच करुणा (करुणा), पारस्परिकता और नैतिक संयम जैसे मूल्यों की पुनर्स्थापना अत्यंत आवश्यक है।

सम्मेलन में भारत, रूस, बेलारूस, मलेशिया, नेपाल, थाईलैंड, कज़ाकिस्तान, चीन, इथियोपिया, हंगरी और फिजी सहित कई देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके साथ ही भारत सरकार के विदेश मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय के भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रभाग, अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों, इस्कॉन, गीता आश्रम, संस्कृत विश्वविद्यालयों और अन्य सांस्कृतिक संस्थानों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

चार प्लेनरी सत्रों में धर्म और संस्कृति, धर्म और दर्शन, धर्म और अर्थ, तथा धर्म और पर्यावरण के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा हुई। वहीं 'लोकसंग्रह और समकालीन विश्व' पर आयोजित सार्वजनिक सत्र में नैतिक नेतृत्व और वैश्विक उत्तरदायित्व पर विचार-विमर्श हुआ।

नालंदा विश्वविद्यालय में आयोजित यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन नैतिकता, स्थिरता और सभ्यतागत ज्ञान पर वैश्विक संवाद को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए सम्पन्न हुआ। विश्वभर से आए विद्वानों और विशेषज्ञों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि भारतीय शास्त्र-परंपरा आधुनिक चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करने में अत्यंत प्रासंगिक है और एक संतुलित, करुणामय एवं उत्तरदायी वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

समापन सत्र में वंदे मातरम्" की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर नालंदा विश्वविद्यालय के छात्रों ने राष्ट्रगीत भी प्रस्तुत किया। ऐसे कांफ्रेंस सामूहिक और स्थिर भविष्य के निर्माण में योगदान देने के साथ साथ, भारतीय ज्ञान परमपरा को वैश्विक शैक्षणिक और शोध समुदाय में आगे बढ़ाने के लिए एक सुदृढ़ अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क भी तैयार करते हैं।

गिरियक में दो गुटों की फायरिंग, हथियार के साथ चार गिरफ्तार

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। गिरियक थाना क्षेत्र के निचली बाजार स्थित डॉ. इंगलिश के पास शुक्रवार सुबह दो गुटों के बीच वर्चस्व को लेकर फायरिंग की सूचना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष ने वरीय पुलिस अधिकारियों को अवगत कराया। त्वरित कार्रवाई करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजगीर सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया और छापेमारी अभियान शुरू किया गया।

पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंचकर फायरिंग में शामिल एक अपराधकर्मी को मौके से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी कट्टा और 315 बोर का एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। उसके निशानदेही पर अजय उर्फ अजो और विजय उर्फ बिजो, पिता रूपो यादव, के घर की तलाशी ली गई। तलाशी में पलंग के दराज के पीले प्लास्टिक में छिपाकर रखे गए 315 बोर के तीन कारतूस और 12 बोर का एक कारतूस बरामद किया गया, जिसे आरोपी विजय यादव उर्फ बिजो की पत्नी डॉली देवी द्वारा छिपाने का प्रयास किया गया था।

गिरफ्तार आरोपियों में प्रहलाद कुमार सिंह (24), अभिषेक आनंद कुमार (21), अंकुश कुमार (20) तथा एक महिला शामिल है। इनके पास से एक देशी कट्टा, 315 बोर के चार कारतूस, 12 बोर का एक कारतूस, दो खोखा, एक मोटरसाइकिल व तीन मोबाइल बरामद किए गए।

प्रहलाद कुमार सिंह का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है, जो विभिन्न कांडों में नामजद रहा है। पुलिस टीम में एसडीपीओ राजगीर सहित गिरियक थाना के कई पदाधिकारी शामिल थे। मामले में कांड दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

राजगीर-हसनपुर हॉल्ट पर ट्रेन-ट्रैक्टर टक्कर से बाल-बाल बचे लोग, बड़ी घटना टली

राजेश कुमार गौतम

नालंदा (अपना नालंदा)। गया-बख्तियारपुर रेलखंड स्थित राजगीर-हसनपुर रेलवे हॉल्ट के पास शुक्रवार को एक बड़ा हादसा टल गया। मिली जानकारी के अनुसार, धान से लदा एक ट्रैक्टर हॉल्ट के समीप स्थित रेलवे क्रॉसिंग से पटरी पार कर रहा था। उसी समय हसनपुर रेलवे हॉल्ट से एक ट्रेन खुल चुकी थी, जिसकी चालक को ट्रैक पर मौजूद ट्रैक्टर का आंशिक दृश्य मिला।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेन के धीरे-धीरे आगे बढ़ने के दौरान उसके इंजन का हल्का स्पर्श ट्रैक्टर के पिछले हिस्से से हुआ। झटके से ट्रैक्टर का डाला बगल की ओर पलट गया, लेकिन सौभाग्य से वाहन पटरी पर नहीं चढ़ा और न ही ट्रैक बाधित हुआ। घटना इतनी अचानक घटी कि ट्रैक्टर चालक और आसपास मौजूद लोग कुछ क्षणों के लिए दहशत में आ गए, हालांकि सभी सुरक्षित बच निकले।

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि यदि ट्रेन की रफ्तार अधिक होती या ट्रैक्टर पूरी तरह पटरी पर चढ़ा होता, तो बड़ा हादसा हो सकता था। गनीमत रही कि टक्कर मामूली थी, जिसकी वजह से न यात्रियों को परेशानी हुई और न ही रेल सेवा प्रभावित हुई।

घटना की सूचना तुरंत रेलवे पुलिस—जीआरपी और आरपीएफ—को दी गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे घटनाक्रम का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने ट्रैक्टर चालक से पूछताछ की तथा ट्रेन चालक और रेलवे कर्मचारियों से भी प्राथमिक रिपोर्ट ली। फिलहाल पुलिस जांच जारी है। रेलवे प्रशासन ने बताया कि रेल यातायात व्यवस्थित रूप से सामान्य है और किसी प्रकार की बाधा नहीं आई है।

नालंदा में बड़ा हादसा: बाइक को टक्कर मारकर फोर व्हीलर गड्ढे में पलटी, मौके पर अफरा-तफरी

राजेश कुमार गौतम

नालंदा (अपना नालंदा)। नालंदा थाना क्षेत्र के माहुरी गेट के पास शुक्रवार को एक बड़ा सड़क हादसा होने से कई लोगों की सांसे अटक गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक फोर व्हीलर वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सामने से आ रही बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिसके बाद कार सड़क किनारे बने गहरे गड्ढे में पलट गई। टक्कर का जोर इतना था कि घटना स्थल पर देखते ही देखते अफरा-तफरी मच गई।

हादसे के बाद आसपास मौजूद लोग भागकर मौके पर पहुंचे और पलटी हुई गाड़ी में फंसे यात्रियों को किसी तरह बाहर निकालने में जुट गए। लोगों के मुताबिक, टक्कर की आवाज दूर तक सुनाई दी, जिसके बाद कुछ ही मिनटोंमें बड़ी संख्या में भीड़ इकट्ठी हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसा अचानक हुआ, जिससे कोई संभल नहीं पाया।

फिलहाल किसी के गंभीर रूप से घायल होने या मौत की पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन बाइक सवार और कार चालक की स्थिति को लेकर लोग लगातार जानकारी जुटा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है, जबकि बाइक भी पूरी तरह टूट-फूट गई है।

घटना की सूचना मिलते ही नालंदा थाना पुलिस मौके पर पहुंचने के लिए रवाना हो गई है। पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुँचकर हादसे के कारणों की जांच शुरू करेगी, साथ ही यह भी पता लगाया जाएगा कि वाहन अनियंत्रित कैसे हुआ—तेज रफ्तार, तकनीकी खराबी या सड़क की स्थिति वजह रही। फिलहाल स्थानीय लोग राहत महसूस कर रहे हैं कि कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

अपने क्षेत्र की खबर भेजने
ओर विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
9031468165
9608311251

नालंदा जिले के सभी प्रखंडों में संवाददाता सह विज्ञापन प्रतिनिधि कि आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति 9031468165 पर संपर्क करें।